मनचाहा सब पाओ।

भारतेन्दु कुमार

तन मन सँवारना हो तो
नींद लगने तक मत आराम करो,
दिन हो या रात, बेपरवाह
खूब लिखो पढ़ो काम करो ।।1।।

नम्रता अपनाकर,
छोड़ो घबराहट,
छोटी-छोटी खुशियों का
परचम लहराओ।।2।।

बन कर के लायक
ऊँचे सपनों का ,
जो चाहो जब चाहो
मनचाहा सब पाओ।।3।।

दीपायतन(राज्य व्यस्क शिक्षा संसाधन केंद्र) द्वारा प्रकाशित पत्रिका साथी के महिला विशेषांक में प्रकाशित।प्रकाशन वर्ष 2002.

2/2,प्रोफेसर्स क्वार्टर्स, राजकीय पोलिटेकनिक,

गया-823001 (बिहार) भारत,

11 जनवरी 2009.